मिलकर शोध करने की इच्छा जताई

भागलपुर | कार्यालय संवाददाता

टीएनबी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से पादप वर्गीकरण में क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पर हुई कार्यशाला शुक्रवार को समाप्त हो गई। आठ दिनों से चल रही कार्यशाला का अंतिम दिन विवि के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा। समापन समारोह में बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया (बीआईएस) कोलकाता ने भागलपुर विश्वविद्यालय के साथ मिलकर शोध कार्य करने की इच्छा जताई। इसके लिए बीआईएस ने कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे को एमओयू पर हस्ताक्षर के लिए ड्राफ्ट प्रस्ताव सौंपा।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. दूबे ने कार्यशाला के समापन पर कहा कि जीवन के लिए पौधों का संरक्षण जरूरी है। जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण, गांवों से शहर की ओर पलायन, पौधा संरक्षण के प्रति घट रहा लगाव चुनौती बनती जा रही है। प्रतिकुलपति प्रो. अवध किशोर राय ने कहा कि पौधों के विलुप्त होने से मानव अस्तित्व पर गहरा संकट उत्पन्न हो जाएगा।

वक्ताओं ने कहा कि डॉक्टरों और सुविधाएं होने के बाद भी हम अनजान व संक्रामक रोगों से ग्रस्त हैं। स्वस्थ और दीर्घायु जीवन पर प्रश्नचिह्न लगने लगा है। ऐसा औषधीय पौधों के विलुप्त होने के कारण हो रहा है। इसलिए पौधों का संरक्षण जरूरी है। समारोह में वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में चार दशक से ज्यादा काम करने के लिए स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एसके वर्मा और टीएनबी कॉलेज के डॉ. अवध किशोर को सम्मानित किया गया। बीआईएस ने आयोजन के लिए सचिव डा. हीरेन्द्र कुमार चौरसिया को सम्मानित किया। टीएनबी कॉलेज ने आयोजन में सहयोग के लिए बीआईएस के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी लक्ष्मी नरसिम्हन को सम्मानित किया।

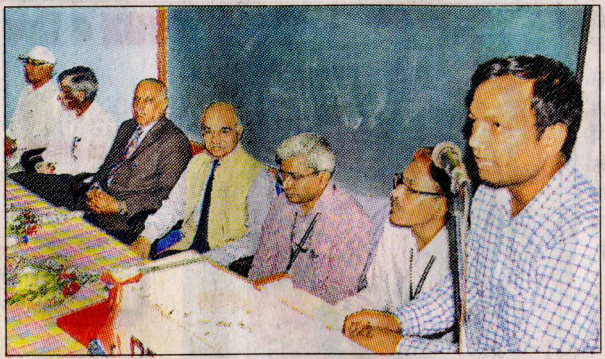

टीएनबी के बॉटनी विभाग में पादप वर्गीकरण पर आयोजित कार्यशाला के समापन पर विचार रखते गोपाल कृष्ण व मंच पर उपस्थित कुलपति, प्रतिकुलपति व अन्य।

बीआईएस

- टीएनबी कॉलेज में पादप वर्गीकरण की आठ दिवसीय कार्यशाला संपन्न
- बीआईएस के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी लक्ष्मी नरसिम्हन सम्मानित
- कुलपति ने कहा-जीवन के लिए पौधों का संरक्षण जरूरी